भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या** 1427

जिसका उत्तर दिनांक 19.12.2018 को दिया जाना है।

## न्यूट्रिनो वेधशाला

1427. एडवोकेट जोएस जॉर्ज :
श्री आर. पार्थिपन :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार पट्टीपुरम में भारत स्थित न्यूट्रिनों वेधशाला (आईएनओ) के साथ विकास कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या कोई न्यायालयी हस्तक्षेप इस परियोजना की प्रगति में विघ्न डाल रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या हरित अधिकरण ने भी इस परियोजना में हस्तक्षेप किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार को आईएनओ के विरुद्ध आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से कोई शिकायत प्राप्त हुई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या उस क्षेत्र में किसी प्रकार का विकिरण पहाड़ों को कोई ढांचागत नुकसान हुआ है या फिर आईएनओ से खतरनाक रसायनों के उत्सर्जन का जोखिम है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी हाँ। 27.03.2018 को पर्यावरणीय अनुमति प्राप्त हो चुकी है। भारत स्थित न्यूट्रीनो वेधशाला (आईएनओ) ने 2018 के आरंभ में तमिल नाडु सरकार से वन्यजीव अनुमति और इसके साथ इंटर इंस्टीट्यूशनल सेंटर फॉर हाई एनर्जी फिजिक्स (आईसीएचईपी), मदुरै तथा आई एन ओ पोट्टीपुरम स्थलों के लिए अनुमति हेतु आवेदन किया है। उपरोक्त अनुमतियाँ प्राप्त होने के बाद, तमिल नाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) से अनुमति प्राप्त करने हेतु आवेदन किया जाना है।

(ख) जी, हाँ। माननीय मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै खंडपीठ ने मार्च, 2015 के अपने आदेश में कहा है कि तमिल नाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनुमति प्राप्त करने से पहले भूमिगत स्थल पर कोई भी वैज्ञानिक कार्य आरंभ नहीं हो सकता है। वहीं दूसरी ओर, मार्च 2018 में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएंडसीसी) से प्राप्त पर्यावरणीय अनुमति को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में चुनौती दी गई तथापि अनुमति को मान्य ठहराया गया है।

(ग) जी, नहीं।

(घ) निकटवर्ती ग्रामों के निवासियों से, मंदिर तक पहुँच तथा मवेशियों को चराने के संबंध में कुछ शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इस संबंध में आईएनओ प्राधिकारियों ने जन जगरूकता कार्यक्रम आरंभ किया है।

(ङ) जी, नहीं।

*******